Augmentation of Reserved Accommodation in trains

3734. SHRI HIPHEI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Northern Railway has decided to augment reserved accommodation for the convenience of passengers during summer season from the 15th April to 17th July, 1995;

(b) if so, the names of trains where the facility is to be augmented class-wise;

(c) whether Government propose to ask other Zonal Railways to take similar steps to augment reserved accommodation in trains under their operational control; and

(d) if so, the details therof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. K. JAFFER SHARIEF): (a) Yes, Sir. Augmentation has been done upto 15th July, 1995.

(b) Mussoorie, Shalimar, Shaheed, Saryu, Yamuna, Shramjeevi, Varanasi; Dehradun;, Goa, Delhi-Jammu and Delhi-Jaipur Express and Flying Mail have been provided with one additional sleeper class coach. Himalayan Queen is augmented by one AC Chair Car, New Delhi-Bhubnesh. war and New Delhi-Guwahati Rajdhani each by one AC 3-tier coach.

(c) and (d) Other Zonal Railways are also augmenting their train services during summer subject to traffic justification, hauling capacity of locos and availability of additional coaches.

पान और सिंघाड़े के दावे सम्बन्धी मामलों का निपटान

3735. श्री शिव प्रसाद चनपुरिया : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1988 से 1994 की अवधि के दौरान रेलवे के दावा विभाग को पान और सिंघाड़े के संबंध में कितने दावा प्रकरण प्राप्त हुए और उस संबंध में रेलवे जोनवार ब्यौरा क्या है ;

(ख) इन दावों में कितने माल तथा कितनी राशि का दावा किया गया है ;

(ग) इनमें से कितने दावों का निपटान किया जा चुका है और उनके निपटान की तिथियों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) शेष दावों के नहीं निपटाये जाने के क्या कारण हैं और उनका निपटान कब तक हो जाएगा ?

रेल मंत्री (श्री सी० के जाफर शरीफ) : (क) से (ग) अलग-अलग नश्य वस्तुएं यथा पान के पत्ते और सिंघाड़ा आदि के दावों के आंकड़े अलग-अलग नहीं रखे जाते बहरहाल नश्य वस्तुओं पर सभी पार्टियों को भुगतान की गई प्रतिपूर्ति के दावों की कुल संख्या और अनुपत्र में दिए गए हैं [देखिए परिशिष्ट 173, अनुपत्र संख्या 77]

(घ) दावों का निपटान न करने का मुख्य कारण संबंधित दस्तावेज आदि को समय पर प्रस्तुत न करना है दावे उचित सत्यापन और प्रत्येक मामले के गुण दोष के आधार पर निपटाये जाते हैं।

बम्बई में पान व्यापारियों के लंबित पड़े दावा संबंधी मामले

3736. श्री शिव प्रसाद चनपुरिया : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जबलपुर (मध्य प्रदेश) के पान व्यापारियों के कितने दावा संबंधी मामले मध्य रेलवे के मुख्य दावा अधिकारी, बम्बई के पास लंबित हैं;

(ख) क्या यह सच है कि इन व्यापारियों ने अपने दावों के निपटान हेतु मुख्य दावा अधिकारी, मध्य रेलवे, बम्बई वी.टी. को लंबित मामलों की व्यापारीवार सूची और अनेक ज्ञापन दिये हैं ;

(ग) मुख्य दावा अधिकारी ने उक्त ज्ञापनों के उत्तर कब-कब प्रेषित किये हैं और दावों के निराकरण के संबंध में दिये गये आश्वासनों का ब्यौरा क्या है ; और

(घ) उक्त व्यापारियों को होने वाली हानि की भरपाई कब तक कर दी जायेगी?

रेल मंत्री (श्री सी०के०जाफर शरीफ): (क) कुछ नहीं।

(ख) जी, हां।

(ग) पान व्यापारियों के लंबित अभ्यावेदनों के संबंध में उनको 26-4-93, 5-7-93 तथा 25-1-95 को उत्तर भेज दिये गये हैं। इसके अलावा, मुख्य दावा अधिकारी मध्य रेलवे, बम्बई वी. टी. के कार्यालय में इन व्यापरियों के साथ 7 अक्तूबर, 1993 को एक बैठक भी हुई थी, समय-समय पर उन्हें अवगत कराया जाता है कि उनके लंबित मामलों को, यदि कोई हों, अलग-अलग मामले के गुणदोष के आधार पर निपटाया जायेगा।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

पश्चिम बंगाल में रेल परियोजनायें

3737. **श्रीमती सरला महेश्वरी**: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या गत वर्ष के जुलाई महीने में पश्चिमी बंगाल विधान सभा के एक सर्वदलीय शिष्ट मंडल ने पश्चिमी बंगाल में रेल परियोजनाओं के बारे में वार्ता करने हेतु उनसे मुलाकात की थी;

(ख) यदि हां, तो उस वार्ता के बाद पश्चिमी बंगाल की रेल परियोजनाओं पर उन्होंने क्या विशिष्ट कार्यवाही की है ;

(ग) क्या वह इस बात से अवगत है कि पश्चिम बंगाल विधान सभा ने इस वर्ष के अपने बजट अधिवेशन में केन्द्रीय सरकार के 1995 के रेल बजट में पश्चिमी बंगाल को वंचित किये जाने के विरोध में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया है ; और

(घ) पश्चिमी बंगाल विधान सभा के इस सर्वसम्मत के संदर्भ में पश्चिमी बंगाल की जनता के रोष को दूर करने के लिये वह क्या कदम उठाने जा रहे हैं ?

रेल मंत्री (श्री सी०के० जाफर शरीफ): (क) जी, हां।

(ख) एकलाखी–बालूरघाट नई लाइन का कार्य, जिसे संसाधनों की तंगी के कारण रोक दिया गया था पुन: शुरू कर दिया गया है और अब उसका कार्य प्रगतिपर है।

पश्चिम बंगाल में दोहरीकरण परियोजनाओं के कार्य में तेजी लाने हेतु इसके परिव्यय में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है।

तामलुक–दीघा लाइन के लिये पिछले वर्ष के 2 करोड़ रुपये के आबंटन में वृद्धि करके 1995–96 के लिये 3.43 करोड़ रु० कर दिया गया है।

(ग) और (घ) रेल मंत्रालय में अब तक ऐसा कोई संकल्प प्राप्त नहीं हुआ है और जैसे ही यह प्राप्त होगा, इस पर विचार किया जायेगा।

Shift of performance from rail to road transport

3738. DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

a) whether user preference is shifting in favour of transportation by road, instead of the Railways; if so, the reasons therefor;